सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 256 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 25 अक्टूबर, 2025

अगर मैं पहले से कोई अंतिम लक्ष्य बना के चलता तो क्या आपको नहीं लगता है कि मैं उसे सालों पहले पूरा कर चुका होता।

-बिल गेट्स

महिला विश्वकप: एक जीत को तरसा... 7 | बिहार चुनाव से गायब हो गया... 3 | अंग्रेजों के जमाने से भी बदतर... 2

# दीपावली के बाद यूपी में पॉलिटिकल क्वालिटी इंडेक्स धुआं-धुआं...

## कल्याण सिंह की राह चले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य!

» अब रोके नहीं रुक रहे केशव, शायद इसलिए बिहार की दी गयी जिम्मेदारी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में लंबे समय से राजनीतिक मनमुटाव चल रहा है। केशव की सीएम न बन पाने की कसक समय-समय पर जाहिर हो जाती है। एक बार फिर रिकवरी नोटिस के बहाने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या ने एक ऐसा राजनीतिक तीर छोड़ा जो सही निशाने पर लगा।

हाल ही में मौर्य के मंत्रालय ने सेवानिवृत्त मुख्य सचिव पूर्व आईएएस मनोज कुमार पर दस करोड़ रुपये की वसूली का नोटिस जारी किया था जिसे मुख्यमंत्री योगी ने रद्द करवा दिया। मामला खाद्य प्रसंस्करण नीति से जुड़ा था पर असल में यह सत्ता की रस्साकशी का संकेत माना जा रहा है।

### दीपोत्सव में लखनऊ में बैठे रहे डिप्टी सीएम

उत्तर प्रदेश में भाजपा की योगी आदित्यनाथ सरकार बनने के बाद से हर साल अयोध्या में बड़े पैमाने पर दीपोत्सव का आयोजन होता है। दीपावली से पहले लाखों दीयों से सरयू का किनारा रोशन होता है और हर साल खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ इस कार्यक्रम के गवाह बनते हैं। लेकिन इस बार कुछ अलग हुआ। हर साल की तरह इस बार भी 19 अक्टूबर 2025 को राम नगरी में भव्य दीपोत्सव का आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसमें आए भी लेकिन तमाम गणमान्य उपस्थितियों पर 'दो अनुपस्थितियां' भारी पड़ गईं। उत्तर प्रदेश की सरकार में दो डिप्टी सीएम हैं। केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक दोनों ही 19 अक्टूबर को अपनी सरकार के इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम में नहीं आए थे। दोनों की ही फोटो दीपोत्सव का न्योता देने वाले स्थानीय अखबारों के पहले पेज पर छपे विज्ञापन में नहीं दिखी। इस फोटो में दिखे सिर्फ योगी। उनके साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फोटो न सही विज्ञापन में नाम तो होता। वह भी नहीं था 'गरिमामयी उपस्थिति' में योगी के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल थी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह का नाम था। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही का भी नाम था लेकिन दोनों डिप्टी सीएम ही थे, विज्ञापन पर जिनका 'नामोनिशान' नहीं। निमंत्रण पर नाम नहीं था तो दोनों ही डिप्टी सीएम आए भी नहीं और सवाल उठने लगा कि क्या यूपी भाजपा में सब ठीक है इस पूरी घटना ने एक बार फिर से यूपी भाजपा में दरार, नौकरशाही और भाजपा विधायकों के बीच मतभेद की चर्चाओं को हवा दे दी।

10 करोड़ के रिकवरी नोटिस से यूपी की राजनीति में बवंडर के संकेत

### सावधान रहने की सलाह

सूत्र बताते हैं कि दिल्ली आलाकमान ने दोनों नेताओं को सावधान रहने की हिदायत दी है लेकिन यह भी साफ है कि अगड़ा-पिछड़ा समीकरण अब पार्टी के भीतर फिर से जिंदा हो गया है। अगर भाजपा इसे संभाल नहीं पाई तो आने वाले विधानसभा चुनावों में यह डबल इंजन सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा साबित हो सकती है।

### नया नहीं टकराव

पार्टी के भीतर यह टकराव नया नहीं है। मौर्य को 2017 में मुख्यमंत्री न बनाए जाने की कसक अब भी बनी हुई है। सीएम योगी हिंदुत्व ब्रांड के अगड़े चेहरा हैं तो मौर्य पिछड़े वर्ग की सियासत का आधार। यह खिंचाव अब खुलकर दिखने लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता मानते हैं कि भाजपा आज उसी गलियारे में लौट आई है जहां कभी कल्याण सिंह और उमा भारती की जोड़ी बिखरी थी।

### सुलग रहा है मनमुटाव

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यूपी में भाजपा की ताकत हमेशा सामाजिक संतुलन पर टिकी रही है। लेकिन सीएम योगी की सख्त प्रशासनिक शैली और मौर्य की उपेक्षा से यह संतुलन डगमगाने लगा है। 2024 के चुनाव में भाजपा की सीटें घटीं और दिल्ली नेतृत्व अब मौर्य जैसे ओबीसी नेताओं को फिर से केंद्र में लाने की कोशिश में है। यह स्थिति योगी के लिए चुनौतीपूर्ण है जो खुद को यूपी की राजनीति का निर्विवाद चेहरा मानते हैं। भाजपा के लिए मौजूदा समय वैसा ही दिखायी दे रहा है जैसा 1999 के आसपास था। तब कल्याण सिंह और उमा भारती सरीखे नेताओं का अहंकार और सियासत केन्द्रीय नेतृत्व से टकरा रहा था। तब भी कल्याण सिंह और उमा भारती के टकराव ने पार्टी को कमजोर कर दिया था। इस बार फर्क सिर्फ इतना है कि तब संघर्ष बाहर दिखा था आज अंदर ही अंदर सुलग रहा है।

## केशव को बिहार भेजना सम्मान या रणनीतिक निर्वासन?

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को सह-प्रभारी बनाया गया है। सतह पर यह जिम्मेदारी सम्मानजनक दिखती है। एक बड़े राज्य के उपमुख्यमंत्री को चुनावी मोर्चे पर लगाया जाना विश्वास का प्रतीक कहा जा सकता है। मगर राजनीति में सतह ही सब कुछ नहीं होती इसके नीचे एक पूरा गणित और संकेत छिपा होता है। दरअसल

केशव प्रसाद मौर्य की यह नियुक्ति केवल संगठनात्मक भूमिका नहीं है बल्कि भाजपा के भीतर सत्ता-संतुलन और जातीय प्रबंधन का दांव भी है। पिछले दो वर्षों से यूपी की राजनीति में मौर्य की भूमिका सीमित होती जा रही है। योगी आदित्यनाथ के दबदबे में उनका प्रशासनिक प्रभाव लगभग प्रतीकात्मक रह गया है। कई बार केशव ने सार्वजनिक तौर पर भी पिछड़ों के सम्मान और दलित प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों को उछालकर यह जताने की कोशिश की कि वे केवल एक मौन सहयोगी नहीं हैं। परंतु पार्टी नेतृत्व ने हमेशा उन्हें अनुशासन और मर्यादा की सीमा में रहने का संदेश दिया। ऐसे में उन्हें बिहार चुनाव में भेजना भाजपा की दोहरी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। एक तरफ मौर्य को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर संतुष्ट दिखाना और दूसरी ओर यूपी की सत्ता-संरचना से थोड़ी दूरी बनाना। कहने को यह प्रमोशन है लेकिन भीतर से यह संतुलन की इंजीनियरिंग लगती है।

# अंग्रेजों के जमाने से भी बदतर है दलितों का हाल : अवधेश प्रसाद

## » सपा सांसद बोले-तब किसी को पेशाब नहीं पिलाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फैजाबाद से सांसद अवधेश प्रसाद रावत ने काकोरी में पीड़ित दलित बुजुर्ग रामपाल रावत से मुलाकात की। इस दौरान भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, अंग्रेजों के जमाने में भी किसी को पेशाब नहीं पिलाया गया। लेकिन, भाजपा राज में दलितों को इस अपमान का सामना करना पड़ रहा है। ये घटना मानवता पर कलंक है।

सांसद अवधेश प्रसाद रावत ने कहा, पीड़ित पहले से बीमार था। उसके साथ ऐसा अमानवीय कृत्य घोर निंदनीय है। यूपी सरकार दलितों पर हो रहे अत्याचार नहीं रोक पा रही है। इसलिए मैं काकोरी में हरदोई रोड स्थित बाजनगर शहीद स्मारक पर धरने पर बैठूंगा। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजबाला रावत, पार्षद पति सनी रावत अधिवक्ता रामनाथ मोहनलालगंज सांसद प्रतिनिधि मोइन खान समेत कई नेता कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## बिहार में आजम खां करेंगे प्रचार

बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं को लुभाने की रणनीति के तहत समाजवादी पार्टी ने एक बड़ा फैसला लिया है। पार्टी ने अपने वरिष्ठ नेता और कद्दावर चेहरे आजम खां को बिहार चुनाव के लिए स्टार प्रचारक नामित किया है। माना जा रहा है कि आजम खां के तीखे और जनसभाओं में जोश भरने वाले बयान चुनावी समीकरण को प्रभावित कर सकते हैं। आजम खां 10 बार विधायक और दो बार सांसद रह चुके हैं और उन्हें चुनावी रैलियों में भीड़ जुटाने में महारत हासिल है। सीतापुर जेल से रिहा होने के बाद से वह लगातार सार्वजनिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। उधर, बिहार में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी डेरा डाल रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की कई रैलियां हो चुकी हैं, जबकि उत्तराखंड समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। ऐसे में सपा की तरफ से आजम खां को मैदान में उतारना एक सोची-समझी रणनीति लग रही है।

# वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत को मिली बड़ी जिम्मेदारी

## » राजस्थान उपचुनाव में बीजेपी ने बनाया चुनाव प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर आगामी उपचुनाव को लेकर बीजेपी ने रणनीति तय कर दी है। पार्टी ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के सांसद बेटे दुष्यंत सिंह को चुनाव प्रभारी नियुक्त किया है। यह कदम साफ तौर पर यह संदेश देता है कि इस उपचुनाव में वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा और उनकी राजनीतिक पकड़ भी सीधे तौर पर इस सीट से जुड़ी हुई है।

अंता विधानसभा सीट वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह के लोकसभा क्षेत्र में आती है। इससे यह चुनाव न केवल स्थानीय बल्कि पार्टी की केंद्रीय रणनीति और नेतृत्व के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण बन गया है। बीजेपी का मानना है कि सांसद बेटे को चुनाव प्रभारी बनाने से चुनाव संचालन में मजबूती आएगी और पार्टी को लाभ होगा। राजस्थान सरकार ने इस उपचुनाव के लिए कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल को सरकार की तरफ से चुनाव प्रभारी मंत्री नियुक्त किया है। मंत्री की नियुक्ति से यह सुनिश्चित किया गया है कि प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी चुनाव सुचारू रूप से संपन्न हो। बीजेपी ने अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए 11 सदस्यीय चुनाव समिति का गठन भी किया है। इस समिति में दो सांसद, दो मंत्री और सात अन्य विधायक शामिल हैं। समिति का मुख्य उद्देश्य चुनाव प्रचार, जनसंपर्क और मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से आयोजित करना है।

# आज देश को कांग्रेस की जरुरत : अशोक गहलोत

## » संगठन सृजन अभियान महत्वपूर्ण, प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संगठन सृजन अभियान को कांग्रेस पार्टी के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इसकी प्रक्रिया ईमानदारी से पूरी होनी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज देश को कांग्रेस की जरुरत है।

राजस्थान में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति के लिए चल रहे संगठन सृजन अभियान संबंधी एक सवाल पर गहलोत ने कहा, ये कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है हमारे लिए। कांग्रेस के उदयपुर अधिवेशन के बाद, उदयपुर घोषणापत्र से तय हुआ। उसी ढंग से ही राहुल गांधी व मल्लिकार्जुन खरगे ने ये कार्यक्रम शुरू किया कि तमाम जिलों में 50 साल से कम उम्र के व्यक्ति अध्यक्ष बनने चाहिए।

गहलोत के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान चाहता है कि निष्पक्ष होकर, असली फीडबैक हमारे पास आए। यह तभी आएगा जब कोई नेता पंचायती नहीं करे। वह टेलीफोन नहीं करे जिलों में या पर्यवेक्षकों से बात नहीं करे। उन्हें अपनी भावना नहीं बताए। वह जिले में नेताओं को फोन नहीं करे कि आप इसका समर्थन करो, इसका समर्थन मत करो। इस तरह से यह प्रक्रिया पूरी होगी तब जाकर ईमानदारी से अच्छे लोग अध्यक्ष बन पाएंगे। उन्होंने कहा कि इसको लेकर ऐसा कोई प्रस्ताव पास नहीं होना चाहिए कि अमुक आदमी को हम ये अधिकार देते हैं इस मुद्दे पर अपने रुख को दोहराते हुए गहलोत ने कहा, मेरा रुख आज भी वही है। मैं चाहता हूं कि ईमानदारी से यह प्रक्रिया पूरी हो जाए।

गहलोत ने कहा कि जो भी व्यक्ति जिलाध्यक्ष बने उसका कर्तव्य है कि वह संगठन में सबको साथ लेकर चलने का प्रयास करे, सबको साथ लेकर चले क्योंकि यह संगठन है।उन्होंने कहा, मंत्री के लिए संभव है कि वह किसी का काम करे किसी का न करे लेकिन जो संगठन का आदमी होता है चाहे वह किसी भी पार्टी का हो .... प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष बनाना बड़ा मुश्किल होता है। मंत्री बनाना आसान होता है। मै यह बात कांग्रेस में कहता रहता हूं।

# संगठन के फेरबदल में जुटी बसपा

## सरवर मलिक बने लखनऊ मंडल के मुख्य प्रभारी, मायावती ने बामसेफ की भी बुलाई बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी संगठन में फे रबदल में जुट गई है। बसपा सुप्रीमो ने लखनऊ और कानपुर मंडल की जिम्मेदारी संभाल रहे शमसुद्दीन राइन को बर्खास्त करने के बाद वरिष्ठ नेता एवं लखनऊ महानगर के सलाहकार सरवर मलिक को लखनऊ मंडल का मुख्य प्रभारी बनाया गया है।

सरवर मलिक लखनऊ के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं लोकसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी भी रह चुके हैं। इसके अलावा मुनकाद अली कानपुर और लखनऊ मंडल की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं दूसरी ओर पार्टी ने मुस्लिम भाईचारा संगठन का पुनर्गठन करने का फैसला भी लिया है। इसके अलावा पश्चिमी यूपी में भी संगठन में कई फेरबदल किए गए हैं।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आगामी एक नवंबर को बामसेफ की बैठक भी बुलाई है। इसमें पिछड़े वर्ग के लोगों को भी शामिल करने पर मंथन चल रहा है, जिसके बारे में मायावती अंतिम निर्णय लेंगी। दरअसल, बसपा ने मिशन 2027 के तहत संगठन को मजबूत करने के लिए बामसेफ कैडर को फिर से जिंदा करने की कवायद तेज कर दी है। इससे पहले वर्ष 2024 में भी ऐसी कवायद हो चुकी है, हालांकि उस दौरान खास सफलता नहीं मिली थी। अब बामसेफ को पुनर्गठित कर बसपा को मजबूत किया जाएगा। बामसेफ में अधिकतर लोग सरकारी सेवाओं से जुड़े हैं, जो पार्टी के विचारों को आगे बढ़ाने के साथ आर्थिक सहयोग भी करते हैं। अब उनका समर्थन पार्टी को नई ऊर्जा दे सकता है। बसपा के शुरुआती दौर में बामसेफ की अहम भूमिका रही थी, जिसकी वजह से पार्टी तेजी से आगे बढ़ती गई।

### बहन जी का हर फैसला मुझे स्वीकार : शमसुद्दीन राईन

पार्टी से बर्खास्त किए गए शमसुद्दीन राईन ने कहा कि मायावती मेरी राजनीतिक गुरु हैं। उनका हर फैसला मुझे स्वीकार है। उन्होंने मुझ पर भरोसा जताते हुए कई जिम्मेदारियां दी, जिसे मैंने पूरी ईमानदारी से निभाया। उन्होंने कहा कि निष्कासित होने के बावजूद वह बसपा के मिशन से जुड़े रहेंगे और पार्टी को मजबूत करने की मुहिम चलाते रहेंगे। वहीं पार्टी में गुटबाजी करने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मेरे जीवन का ध्येय बसपा सुप्रीमो को पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाना है, जिसके लिए आगे भी पूरी ताकत से काम करते रहेंगे।

# अखिलेश यादव आएं या कोई और आए मैं अपनी जगह ब्रांड हूं : तेज प्रताप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनशक्ति जनता दल के नेता तेज प्रताप यादव ने बिहार में प्रचार के लिए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के आने के सवाल पर कहा कि अखिलेश यादव आएं या कोई और आए, मैं अपनी जगह ब्रांड हूं। अब उनका ये बयान सोशल मीडिया पर वायरल है, इसके साथ ही पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने भविष्य में गठबंधन पर बोलते हुए कहा कि 14 नवम्बर के बाद ही स्थिति तय होगी।

पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव महुआ से आरजेडी से विधायक रह चुके हैं, लेकिन पार्टी से छह साल के निष्कासन के बाद वे अब जनशक्ति जनता दल बनाकर चुनाव ल? रहे हैं। पत्रकारों से बातचीत में स्टार प्रचारकों की सूची पर सवाल उठने पर तेज प्रताप ने हंसते हुए कहा कि मैं खुद ही स्टार प्रचारक हूं। तेज प्रताप यादव ने लोगों से अपील की कि वे 2015 की तरह फिर से उनका साथ दें, मैंने यहां अस्पताल, एम्बुलेंस और मेडिकल कॉलेज की मंजूरी दिलाई थी. अब पूर्ण परिवर्तन लाना है, बोले जेजेडी का चुनाव चिह्न ब्लैकबोर्ड है, जो शिक्षा और युवा विकास पर फोकस को दर्शाता है। नामांकन के समय उन्होंने अपनी दादी मरछिया देवी की फोटो साथ ले जाकर भावुक अपील की थी।

# मप्र के स्वास्थ्य मंत्री को कोरेक्स का नशा : सिंघार

## » नेता प्रतिपक्ष ने कार्बाइड गन से घायल बच्चों से मुलाकात की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल । नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राजधानी भोपाल के हमीदिया अस्पताल पहुंचकर कार्बाइड गन से घायल बच्चों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 200 की गन ने 292 आंखों की रोशनी छीन ली, मगर सरकार की आंखें अब भी बंद हैं।

सिंघार ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह लचर हो चुकी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे रीवा के अंदर कोरेक्स का नशा रहता है, वैसे ही लगता है हमारे स्वास्थ्य मंत्री को भी कोरेक्स का नशा है हमेशा देर से जागते हैं। मुख्यमंत्री जी को चाहिए कि उन्हें रीवा वापस भेजकर नया स्वास्थ्य मंत्री नियुक्त करें। सिंघार ने सवाल उठाया कि जब मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव ने कार्बाइड गन की बिक्री पर रोक का आदेश दिया था, तो उस पर अमल क्यों नहीं हुआ? उन्होंने कहा कि हर बार बच्चों की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ क्यों किया जाता है। भाजपा सरकार न जनता की सुरक्षा कर पा रही है और न ही अपने ही आदेशों का पालन।

# सभी ने बांटे अपनों को टिकट

## बिहार चुनाव से गायब हो गया परिवारवाद का मुद्दा

» परिजन हरेंगे सियासी संकट

» भाजपा कांग्रेस, राजद व जदयू को ई नहीं पीछे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में चुनाव की सरगर्मी में तेजी आ गई है। महागठबंधन व एनडीए गठबंधन ने प्रचार में एक दूसरे पर तीखे प्रहार करने प्रारंभ कर दिए हैं। राजद के नेता सत्ता में बैठी भाजपा व जदयू पर प्रदेश कानून, बेरोजगारी व अन्य मुद्दों पर घेर रही है। पर कुछ दिनों पहले दोनों ही दल परिवार को लेकर मुखर थीं अब शांत हैं। अधिवक्ता का बेटा/बेटी वकील बने या चिकित्सक का बेटा/बेटी डॉक्टर बने या पत्रकार का बेटा/बेटी मीडियाकर्मी बने- इसे परिवारवाद नहीं कहा जाता है। वजह यह कि कोई वकील, डॉक्टर या मीडियाकर्मी अपनी पढ़ाई या काबिलियत से बनता है। ऐसे कई पेशे हैं। लेकिन, राजनीति कोई पेशा नहीं। देश-क्षेत्र-समाज की सेवा है। और, यहां शिक्षा की अनिवार्यता नहीं है।

निरक्षर भी मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री बन सकते हैं। इसलिए, जब-जब कोई राजनेता अपने परिजन या उत्तराधिकारी को आगे करता है- परिवारवाद की बात चल निकलती है। बिहार विधानसभा चुनाव में भी यह मुद्दा सामने आया है। कहीं राजनेता पति ने पत्नी को लांच किया है, कहीं राजनीतिक विरासत में बेटा/बेटी/बहू/दामाद/भतीजे/भांजे को आगे किया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दोनों चरणों के लिए नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। परिवार के लोगों को टिकट देने की खबरें लगातार आईं। अब जिन्हें मैदान में रहना है, उतर चुके हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या बिहार विधानसभा चुनाव में किसी भी दल के लिए यह मुद्दा होगा? सीधा जवाब पूछे तो- नहीं। क्योंकि, आम परिभाषा के तहत इस चुनाव में वामपंथियों को अपवाद मानकर चलें तो सभी दलों से कोई न कोई, किसी राजनीतिक परिवार का जरूर है। बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड जैसे राज्यों में परिवारवाद कोई मुद्दा नहीं है, यह तो अब परंपरा के रूप में स्थापित है। जनता इसे स्वीकार कर रही है। अविभाजित बिहार ने देखा था कि पुराने रजवाड़े कैसे नौकर-चाकर को भी सदन में भेज दिया करते थे। फिर सीधे कुर्सी सौंपते हुए भी बिहार ने देख लिया। और, अब तो पीएम नरेंद्र मोदी या गृह मंत्री अमित शाह भी इसपर कुछ शायद ही बोल सकें क्योंकि भाजपा में भी यह खूब चल रहा है।

### जगन्नाथ मिश्रा ने परिजनों को वोटरों के बीच भेजा था

डॉ. जगन्नाथ मिश्रा कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे और उनके भाई ललित नारायण मिश्रा देश के रेल मंत्री भी रहे थे। जगन्नाथ मिश्रा ने राजनीति से रिटायरमेंट के पहले बेटे नीतीश मिश्रा को विरासत सौंपी। नीतीश उनकी सीट से ही विधायक चुने गए। भाजपा के संस्थापक सदस्यों में रहे गंगा प्रसाद लंबे समय तक बिहार विधान परिषद के सदस्य रहे। फिर गवर्नर भी बने। बेटे संजीव चौरसिया को विधानसभा चुनाव में जनता के बीच भेजा। विधायक बने। इस बार भी मैदान में हैं। दिवंगत राम विलास पासवान राजनीति में जमे तो भाइयों रामचंद्र पासवान और पशुपति पारस को भी विधायक-सांसद के चुनाव में उतारा। फिर बेटे चिराग पासवान को जनता के बीच भेज दिया। आज की तारीख में चिराग केंद्रीय मंत्री हैं।जीतन राम मांझी राजनीति में जमे तो बेटे को सदन तक लेकर आए। फिर, बहू-समधन को भी। खुद केंद्रीय मंत्री हैं तो बेटे विधान परिषद् सदस्य और बिहार में मंत्री हैं। इस चुनाव में बहू, दामाद, समधन को फिर उतार कर चर्चा में हैं।

### पत्नी को सीएम की कुर्सी सौंपी

लालू प्रसाद यादव पर चारा घोटाले में वारंट जारी हुआ तो मुख्यमंत्री पद से उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। जब बात इस्तीफे की आई तो उन्होंने गृहणी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की। उनकी बनाई पार्टी ने इसे मान लिया। अब बेटे को उत्तराधिकारी बनाया। बड़ी बेटी सांसद चुनी गईं।

### जन सुराज पार्टी भी आगे

पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कर्पूरी ठाकुर की पोती जागृति ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह की बेटी लता सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रो. केके तिवारी के पुत्र तथागत हर्षवर्द्धन। रालोमो प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की पत्नी स्नेहलता, मंत्री संतोष सिंह के भाई आलोक कुमार सिंह, पूर्व मंत्री रामलखन महतो के बेटे प्रशांत कुमार पंकज।

### मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बेटे निशांत कुमार नहीं उतारा मैदान में

बिहार विधानसभा चुनाव की सुगबुगाहट से पहले यह चर्चा कई बार उड़ाई गई कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने बेटे निशांत कुमार को लांच करेंगे। दरअसल, नीतीश कुमार हर बार परिवारवाद के खिलाफ बोलते रहे हैं। वह अगर बेटे को लांच करते तो उनके सिद्धांतों पर सवाल उठता और यह इस चुनाव में उन्हें कमजोर भी करता। बाकी, बिहार की तमाम बड़ी हस्तियों को देखें तो हर तरफ परिवार के लोगों को आगे बढ़ाने का उदाहरण दिखता है। आगे देखिए कि कितने तरह से परिवार-परिजनों को आगे बढ़ाया गया, जिसके कारण राजनीति में परिवारवाद का मुद्दा उठता रहा है।

### चिराग व कांग्रेस भी पीछे नहीं

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)- चिराग पासवान के भांजे सीमांत मृणाल, पूर्व विधायक राजन तिवारी के भाई राजू तिवारी, पूर्व विधायक सुनील पांडेय के भाई हुलास पांडेय। कांग्रेस- बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम खुद पूर्व मंत्री दिलकेश्वर राम के बेटे हैं। पूर्व सांसद दिवंगत डॉ. मनोज पांडेय के पुत्र शाश्वत केदार, पूर्व मंत्री गिरीश नारायण के बेटे संतोष मिश्रा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी- भाजपा के राज्य सचिव राम नरेश पांडे के बेटे राकेश कुमार पांडे। द प्लुरल्स पार्टी- जदयू के पूर्व एमएलसी दिवंगत विनोद कुमार चौधरी की बेटी और दप्पा की प्रमुख पुष्पम प्रिया चौधरी।

### परिवार के नेता के निधन के बाद चुनाव में उतरे

सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. दिग्विजय सिंह की साख ऐसी थी कि पार्टी छोड़ कर निर्दलीय भी जीत गए थे। उनके निधन के बाद पत्नी पुतुल कुमारी सांसद बनीं। शूटिंग में नाम कर रही बेटी श्रेयसी जमुई विधायक हैं। फिर मैदान में हैं। 2005 में पटना पश्चिम से भाजपा विधायक चुने जाने के बाद नवीन किशोर सिन्हा का निधन हो गया था। बेटे नितिन नवीन तब पढ़ ही रहे थे। मां ने संबल दिया और पार्टी ने टिकट दिया। तब से लगातार विधायक चुने जा रहे हैं।

### जनता दल यूनाईटेड में भी भरमार

एमएलसी दिनेश सिंह व सांसद वीणा सिंह की बेटी कोमल सिंह, पूर्व विधायक दिनेश कुशवाहा के बेटे अजय कुशवाहा, पूर्व विधायक राजीव रंजन के बेटे रुहेल रंजन, पूर्व विधायक अशोक कुमार के बेटे मांजरिक मृणाल, पूर्व विधायक दिलीप वर्मा के बेटे समृद्ध वर्मा, पूर्व सांसद अरुण कुमार के बेटे ऋतुराज, पूर्व सांसद आनंद मोहन व पूर्व सांसद लवली आनंद के बेटे चेतन आनंद। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की बहू और विधान परिषद् सदस्य व मंत्री संतोष कुमार सुमन की पत्नी दीपा कुमारी, उनकी मां ज्योति देवी, मांझी के दामाद प्रफुल्ल मांझी, विधायक अनिल कुमार के भतीजे रोमित कुमार। पार्टी प्रमुख मुकेश सहनी के भाई संतोष सहनी, जदयू सांसद अजय मंडल की भांजी अपर्णा मंडल, पूर्व विधायक गुलाब यादव की बेटी बिंदु यादव।

## सभी दलों में परिजनों को टिकट

सांसद सुरेंद्र यादव के बेटे विश्वनाथ सिंह, पूर्व सांसद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब, विधान पार्षद विनोद जायसवाल के बेटे विशाल जायसवाल, पूर्व मुख्यमंत्री दरोगा प्रसाद राय की पौत्री करिश्मा राय, पूर्व मंत्री कांति सिंह के बेटे ऋषि कुमार, झारखंड सरकार के मंत्री संजय यादव के बेटे रजनीश भारती, जदयू सांसद गिरधारी यादव के बेटे चाणक्य प्रकाश रंजन, पूर्व विधायक सुनील पुष्पम की पत्नी माला पुष्पम, पूर्व विधायक समता देवी की बेटी तनुश्री मांझी, विधायक रामविशुन सिंह के बेटे कुणाल किशोर, पूर्व विधायक अशोक सिंह की पत्नी चांदनी सिंह, विधायक किरण देवी के बेटे दीपू राणावत, पूर्व सांसद राजेश कुमार के बेटे सर्वजीत पासवान, पूर्व मंत्री शिवानंद तिवारी के बेटे राहुल तिवारी, पूर्व मंत्री जगदानंद सिंह के बेटे व सांसद सुधाकर सिंह के भाई अजीत सिंह, पूर्व मंत्री दिवंगत रघुनाथ झा के पोते नवनीत झा, पूर्व सांसद जगदीश शर्मा के बेटे राहुल शर्मा, पूर्व मंत्री मुद्रिका यादव के बेटे सुदय यादव, तसलीमुद्दीन के बेटे शाहनवाज आलम, पूर्व मंत्री तुलसी प्रसाद मेहता के बेटे आलोक मेहता, पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी, पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला, विधायक कौशल यादव की पत्नी पूर्णिमा देवी, विधायक पूर्णिमा यादव के पति कौशल यादव, पूर्व विधायक शशि कुमार राय के भाई नंद कुमार राय आदि।

### भारतीय जनता पार्टी भी पीछे नहीं

पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के बेटे सम्राट चौधरी, डॉ. जगन्नाथ मिश्र के बेटे नीतीश मिश्रा, पूर्व विधायक दिवंगत नवीन किशोर सिन्हा के बेटे नितिन नवीन, पूर्व विधान पार्षद व पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद के बेटे संजीव चौरसिया, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैप्टन जय नारायण निषाद की बहू व पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद, पूर्व सांसद गोपाल नारायण सिंह के बेटे त्रिविक्रम सिंह, विधायक स्वर्ण सिंह के पति सुजीत कुमार सिंह, सुनील पांडेय के बेटे विशाल प्रशांत, पूर्व मंत्री अंबिका शरण सिंह के बेटे राघवेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक यमुना सिंह के पोते व पूर्व विधायक ब्रज किशोर सिंह के बेटे अरुण कुमार सिंह, पूर्व विधायक सीताराम सिंह के बेटे राणा रणधीर, पूर्व विधायक कृष्णकांत सिंह के पोते व पूर्व विधायक भूमेंद्र नारायण सिंह के बेटे देवेश कांत सिंह, कोरोना संक्रमण से मृत पूर्व मंत्री विनोद कुमार सिंह की पत्नी निशा सिंह, विधायक राम नरेश प्रसाद यादव की पत्नी गायत्री देवी आदि।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# देश में बचपन की शिक्षा हुई बेहाल

*यह विडंबना है कि भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, पर उसके बचपन की शिक्षा का यह हाल है। शिक्षा पर सरकारी व्यय जीडीपी का केवल 2.9 प्रतिशत है, जबकि विकसित देशों में यह 5 से 6 प्रतिशत तक है। जब शिक्षा ही निवेश नहीं बनेगी, तो विकास का आधार कहां से आएगा? समस्या केवल शिक्षक संख्या की नहीं, बल्कि शिक्षकों की भर्ती, प्रशिक्षण और संसाधनों की भी है। राज्यों में नियुक्ति प्रक्रियाएँ वर्षों तक लटकी रहती हैं, स्थानांतरण नीति अव्यवस्थित है, और जो शिक्षक हैं भी, उन्हें आधुनिक शिक्षा पद्धति, डिजिटल शिक्षण, नवाचार और नैतिक मूल्य आधारित शिक्षण के प्रशिक्षण से वंचित रखा गया है। यह स्थिति उस समय और अधिक विडंबनापूर्ण लगती है जब हम हर मंच पर नया भारत, विकसित भारत और विश्वगुरु भारत के नारे लगाते हैं। शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।*

*शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले। महात्मा गांधी ने कहा था, यदि हमें भारत को पुन: महान बनाना है, तो शिक्षा को पुन: मानवीय बनाना होगा। आज शिक्षा केवल परीक्षा और नौकरी तक सीमित हो गई है, जबकि उसका उद्देश्य चरित्र निर्माण और विवेक जागरण होना चाहिए। यदि 34 लाख बच्चे एकल शिक्षक के भरोसे हैं, तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता का प्रमाण है। भारत तभी विकसित होगा जब हर बच्चा पढ़ेगा-सिर्फ स्कूल में नहीं, बल्कि सच्चे अर्थों में शिक्षित होगा। अन्यथा, एकल शिक्षक की यह पीड़ा आने वाले भारत की मौन त्रासदी बन जाएगी। शिक्षक दीपक की तरह होते हैं, वे स्वयं जलकर समाज को प्रकाश देते हैं। पर जब दीपक ही अकेला रह जाए, तो अंधकार स्वाभाविक है। अब समय है कि हम इस अंधकार को दूर करने का संकल्प लें, क्योंकि शिक्षा ही राष्ट्र का भविष्य है और शिक्षक उस भविष्य के निर्माता हैं। सोचने वाली बात है कि एक स्कूल की सारी कक्षाओं को एक शिक्षक कैसे पढ़ाता होगा? छात्र-छात्राएं कैसी और कितनी शिक्षा ग्रहण कर पाते होंगे? शिक्षा का मतलब छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है। उन्हें प?ाई के साथ पाठ्यसहगामी क्रियाओं का भी ज्ञान दिया जाना जरूरी होता है। लेकिन जब स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक ही नहीं होंगे तो किताबी पढ़ाई कैसी होगी, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। स्कूल में सिर्फ पढ़ाई ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बच्चों का शारीरिक विकास पूरी तरह हो, उसके लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों एवं योग-व्यायाम जैसी कक्षाओं की सख्त जरूरत होती है।*

**शिक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देखने की आवश्यकता है। रक्षा और स्वास्थ्य की तरह शिक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता और समयबद्ध प्रक्रिया सुनिश्चित हो, दूरस्थ क्षेत्रों के स्कूलों का समुचित समायोजन किया जाए, तकनीक के माध्यम से डिजिटल शिक्षा का विस्तार हो और शिक्षकों को केवल वेतनभोगी कर्मचारी नहीं बल्कि राष्ट्रनिर्माता के रूप में सम्मान मिले।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# पराली व प्रदूषण के मुद्दे पर जूझते भारत-पाक

पुष्परंजन

प्रदूषण हिन्दू-मुसलमान हो गया, प्रदूषण भारत-पाकिस्तान हो गया। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी 'आईक्यू-एयर' ने 120 से अधिक शहरों के लाइव डेटा के हवाले से 21 अक्टूबर, 2025 की सुबह दिल्ली को दुनिया का 'सबसे प्रदूषित' शहर घोषित कर दिया। उसके अगले दिन कराची और लाहौर को दुनिया के 5वें और तीसरे सबसे प्रदूषित शहरों में स्थान दिया गया। सीमा पार आवाजें उठनी शुरू हुईं, कि भारत के पंजाब-हरियाणा, यहां तक कि दिल्ली से पटाखे फोड़ने और पराली दहन से हमारा जीना दुश्वार हो गया है। भारत को दोष देने वाले पाकिस्तान में पटाखा उद्योग का प्रदूषण फैलाने में कितना योगदान है, उस पर कोई बात नहीं होती। दो महीना पहले 21 अगस्त को पाकिस्तान के कराची शहर में गुरुवार को एक पटाखा गोदाम में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, और 30 से ज्यादा घायल हो गए। कराची को आपूर्ति किए जाने वाले लगभग 50 प्रतिशत पटाखे, ओरंगी टाउन की कच्ची बस्तियों में बनाए जाते हैं।

प्रतिबंध के बावजूद चीन से पटाखों की आपूर्ति पाकिस्तान में धड़ल्ले से होती है। यों, पाकिस्तान में विवाह-बर्थडे जैसे उत्सवों ने पटाखों के कारोबार को पाला-पोसा है। मगर, दीवाली की तरह पटाखों का कारोबार शब-ए-बारात के पवित्र अवसर पर तेजी से बढ़ता है। दुर्भाग्यवश, शब-ए-बारात का आगमन तेज विस्फोटों, धमाके की आवाजों का पर्याय बन गया है। पाकिस्तान वाले पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने गिरफ्तारी व भारी जुर्माने के साथ 'डंडा और गाजर अभियान' आरम्भ किया। पराली जलाने पर प्रतिबन्ध का उल्लंघन करने वालों पर पांच हजार रुपये का जुर्माना। साथ ही प्रलोभन था, नई पीढ़ी की 'सुपर सीडर' मशीनों की पेशकश, जिन पर 65 प्रतिशत की सब्सिडी दी जा रही थी। बावजूद इसके, शकरगढ़, जफरवाल और नारोवाल की तीन तहसीलों के किसान पराली जलाना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्टों के अनुसार, तलवंडी भंडारन, नोरकोट, अदा सिराज, फतेहपुर अफगानन और कंवल सहित 12 से ज्यादा गांवों में पराली जलाने की घटनाएं हुई हैं।

देरियांवाला में हुई दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, और 18 घायल हो गए। पाकिस्तान में करप्शन बेकाबू है। फतेहपुर निवासी मुहम्मद शरीफ और शाहबाज अली ने बताया कि निगरानी करने वाले अधिकारी इन

उल्लंघनों को नजरअंदाज करने के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की रिश्वत मांग रहे हैं, जिससे किसान बेरोक-टोक पराली जला रहे हैं। पाकिस्तान में उत्सर्जन का 20 फीसद, फसल जलाने के कारण होता है। बाकी, ईंट-भट्टा उद्योग, शहर से गांव-देहात तक बेतहाशा गाड़ियां, निर्माण उद्योग की धूल-मिट्टी ने वातावरण का बेड़ा गर्क कर रखा है। भारत जैसा ही हाल आप पाकिस्तान में देखेंगे। ठीक है, टेरर फैलाने वाले पाकिस्तान से हम ट्रेड पर बात नहीं कर रहे, लेकिन पर्यावरण पर तो कर सकते हैं? ऐसी ही समस्या से रूबरू चीन ने, कुछ उपाय किये, जिनमें कोयला आधारित बिजली संयंत्रों पर प्रतिबंध, सड़कों पर कारों की संख्या सीमित करना, और पूरी तरह से इलेक्ट्रिक बसें चलाना शामिल है। चीन ने अपनी कई कोयला खदानें भी बंद कर दीं। चीन ने अपने किसानों को प्रशिक्षित करने का प्रयास किया। उन्हें कन्विंस किया कि फसल जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी के कार्बनिक पदार्थों का ह्रास, लाभकारी मृदा जैव विविधता, और मिट्टी की उर्वरता में 25 प्रतिशत से 30 प्रतिशत तक की कमी आती है, और यह मिट्टी की जल धारण क्षमता को भी कमजोर करता है। भारत से लेकर ब्राजील तक, किसानों द्वारा जलाई जाने वाली पराली, धुएं का एक गंभीर स्रोत है। लेकिन, दुनिया के सबसे बड़े अनाज उत्पादक देश होने के नाते चीन की सरकार दशकों से पराली जलाने को कम करने, और उसके उपयोग खोजने की कोशिश कर रही है। जैसे, इसे खेतों में खाद के रूप में गाड़ना, या इसे पशु आहार या जैव ईंधन में संसाधित करना। चीन ने 2018 में अपने राष्ट्रीय वायु प्रदूषण कानून में संशोधन किया। उल्लंघन करने पर 2,000 युआन (भारतीय मुद्रा में एक युआन लगभग साढ़े 12 रुपये) तक का जुर्माना लगाने के लिए प्रोत्साहित करने वाले प्रावधान शामिल किए।

चीन का सुदूर उत्तरी प्रान्त हेलोंगचिआंग ने अन्य प्रांतों के साथ प्रतिबंध की शुरुआत की। प्रांत को एक ग्रिड में विभाजित किया गया था, जिसमें काउंटी-स्तरीय सरकारी कर्मचारी अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में आग को रोकने के लिए जिम्मेदार थे। चीन ने किसानों को 2019 में 4 अरब युआन से ज्यादा की सब्सिडी दी। इस राशि से पराली से बायोमास ईंधन में रूपांतरण करने वाले स्टेशनों को वित्तपोषित करने में मदद मिली।

# न्याय की चौखट पर जीवों को 'गरिमा' का अधिकार

डॉ. सुधीर कुमार

सदियों से, हमारे समाज में मनुष्य और पशुओं के बीच का रिश्ता एकतरफा रहा है। यह ऐसा लेन-देन था जहां 'देने' (सेवा, श्रम) का सारा बोझ जानवरों के हिस्से आया, जबकि उनके अपने 'हक' और 'गरिमा' को हमेशा अनदेखा किया गया। पशुओं को केवल संपत्ति, साधन या मनोरंजन का जरिया समझा जाता रहा। लेकिन, अब समय बदल रहा है, अब देश की न्यायपालिका एक ऐसी सशक्त और मजबूत ढाल बनकर सामने आई है जिसने इस सदियों पुरानी धारणा को चुनौती दी है। देश की विभिन्न अदालतों ने हाल के वर्षों में कई ऐसे ऐतिहासिक और दूरगामी फैसले सुनाए हैं, जिन्होंने पहली बार 'बेजुबानों' को 'स-जुबान' बनने का मौका दिया है। ये केवल कानूनी आदेश नहीं हैं, बल्कि मानवीय संवेदना और नैतिक जिम्मेदारी की नई परिभाषाएं हैं।

देश में ज्यादातर लोग 'पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960' के बारे में जानते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक खास फैसला सुनाया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित 'गरिमा और निष्पक्ष व्यवहार का अधिकार' केवल इंसानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पशु भी इसके हकदार हैं। यानी, अदालत की नजर में जानवरों को भी 'गरिमा' के साथ जीने का अधिकार है, ठीक वैसे ही जैसे इंसानों को। इस ऐतिहासिक दृष्टिकोण ने जानवरों को सिर्फ 'संपत्ति' या 'चीज' मानने की पुरानी सोच को बदलकर उन्हें एक 'अधिकार प्राप्त जीव' के रूप में स्थापित कर दिया है। भारत में जानवरों का कानूनी संरक्षण 'पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960' और भारतीय संविधान के अनुच्छेद अनुच्छेद 51-क (जी) से मिलता है, जो हर नागरिक को वन्यजीवों सहित सभी जीवित प्राणियों के प्रति दया रखने का मौलिक कर्तव्य सौंपता है। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने 2018 में एक अभूतपूर्व फैसला सुनाया, जिसमें पूरे पशु जगत, जिसमें पक्षी और जलीय जीव भी शामिल हैं, को 'कानूनी व्यक्ति' या 'जीवित इकाई' का दर्जा दिया गया।

यह फैसला इस मायने में महत्वपूर्ण था कि इसने जानवरों को केवल 'संपत्ति' माने जाने की पारंपरिक कानूनी अवधारणा को चुनौती दी। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जानवरों के प्रति मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने और उनके कल्याण की रक्षा के लिए उन्हें कानूनी व्यक्ति का दर्जा देना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में 'ए. नगरजा बनाम भारत संघ' के ऐतिहासिक मामले में यह स्पष्ट किया कि पशुओं को भी संविधान के अनुच्छेद 21 (जीवन का अधिकार) के तहत क्रूरता से मुक्त जीवन जीने का अधिकार है। कोर्ट ने माना कि जल्लीकट्टू पशु क्रूरता निवारण अधिनियम का उल्लंघन है क्योंकि इसमें बैलों को अनावश्यक पीड़ा और तनाव से गुजरना पड़ता है। इस फैसले ने जानवरों के अधिकारों को मौलिक मानवीय अधिकारों के समकक्ष खड़ा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित किया। इसने दर्शाया कि 'जीवन का अधिकार' की व्यापक व्याख्या में सभी जीवित प्राणियों को शामिल किया जाना चाहिए। जगदीश सिंह बनाम हरियाणा राज्य (2019) मामले में कोर्ट ने जानवरों को एक इंसान जैसा 'कानूनी व्यक्ति' माना, जो कि एक बहुत बड़ा और खास फैसला था।

इस फैसले का सबसे जरूरी हिस्सा यह था कि घोड़ागाड़ी और बैलगाड़ी जैसे पशु-चालित वाहनों को सड़कों पर पहले जाने का हक दिया गया। कोर्ट ने कहा कि इन गाड़ियों में ब्रेक या अन्य सुरक्षा सुविधाएं नहीं होती हैं, इसलिए उनकी हिफाजत के लिए मोटर गाड़ियों को उन्हें पहले रास्ता देना चाहिए। यह फैसला, न्यायमूर्ति राजीव शर्मा के पशु-अधिकारों से जुड़े अन्य फैसलों जैसा ही था, जिसका मकसद जानवरों की सुरक्षा और उनके हक को मजबूत करना है। भारत में जानवरों के अधिकारों को लेकर अदालतों का रुख लगातार संवेदनशील होता जा रहा है। इसी कड़ी में, हाल ही में आवारा कुत्तों के प्रबंधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने यह साफ किया है कि पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2023 का पालन करना अनिवार्य है। इसके तहत, आवारा कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी और टीकाकरण के बाद, उन्हें उसी क्षेत्र में वापस छोड़ना होगा जहां से उन्हें पकड़ा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि नगरीय निकाय कुत्तों को भोजन कराने के लिए प्रत्येक वार्ड में निश्चित स्थान तय करें और सड़कों पर भोजन खिलाने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

यह फैसला आवारा पशुओं के प्रति क्रूरता को रोकने और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन देने की दिशा में एक बड़ा कदम है, साथ ही यह मानवीय सुरक्षा और पशु कल्याण के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। इन फैसलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जानवर भी संवेदनशीलता रखते हैं और उन्हें भी क्रूरता रहित जीवन जीने का 'गरिमा' पूर्ण अधिकार प्राप्त है। यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है, अब 'पशु कल्याण' की बात केवल दया या भावनात्मक मुद्दे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर एक कानूनी और मौलिक अधिकार का प्रश्न बन गई है। अदालती फैसलों ने भारत में बेजुबान जानवरों के कानूनी दर्जे को एक नई दिशा दी है, जिसने उनकी 'किस्मत' को सचमुच बदल दिया है। यह सिर्फ क्रूरता को रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि अब कई अदालतों ने जानवरों को 'कानूनी व्यक्ति' या 'लोकस पैरेंटिस' का दर्जा दिया है, जिसका अर्थ है कि वे इंसानों की तरह कानूनी रूप से अधिकार और जिम्मेदारी रखते हैं। यह एक ऐसा अनोखा बदलाव है, जो मानवीय संवेदनाओं को एक नई ऊंचाई पर ले जाता है। अब समय आ गया है कि समाज भी इन कानूनी आदेशों को केवल कागज तक सीमित न रखे, बल्कि उन्हें अपने आचरण का हिस्सा बनाए।

## व्रत कथा

सनातन शास्त्रों की मानें तो द्वापर युग में जगत के पालनहार भगवान श्रीकृष्ण के पुत्र साम्ब कुष्ट रोग से पीड़ित थे। भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें सूर्य उपासना की सलाह दी। कालांतर में साम्ब ने सूर्य देव की उपासना की। सूर्य देव की उपासना करने से साम्ब को कुष्ट रोग से मुक्ति मिली थी। इसके पश्चात, साम्ब ने 12 सूर्य मंदिरों का निर्माण करवाया था। इनमें सबसे प्रसिद्ध कोणार्क सूर्य मंदिर है, जो ओडिशा में है। इसके अलावा, एक मंदिर बिहार के औरंगाबाद में है। इस मंदिर को देवार्क सूर्य मंदिर के नाम से जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि चिरकाल में जब देवताओं और असुरों के मध्य युद्ध हुआ, तो इस युद्ध में देवताओं को हार का सामना करना पड़ा। उस समय देव माता अदिति ने इसी स्थान पर (देवार्क सूर्य मंदिर) पर संतान प्राप्ति हेतु छठी मैया की कठिन तपस्या की। इस तपस्या से प्रसन्न होकर छठी मैया ने अदिति को तेजस्वी पुत्र प्राप्ति का वरदान दिया था। कालांतर में छठी मैया के आशीर्वाद से आदित्य भगवान का अवतार हुआ। आदित्य भगवान ने देवताओं का प्रतिनिधित्व कर देवताओं को असुरों पर विजयश्री दिलाई थी। कालांतर से पुत्र प्राप्ति हेतु छठ पूजा की जाती है। इस व्रत के पुण्य प्रताप से सुख और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है।

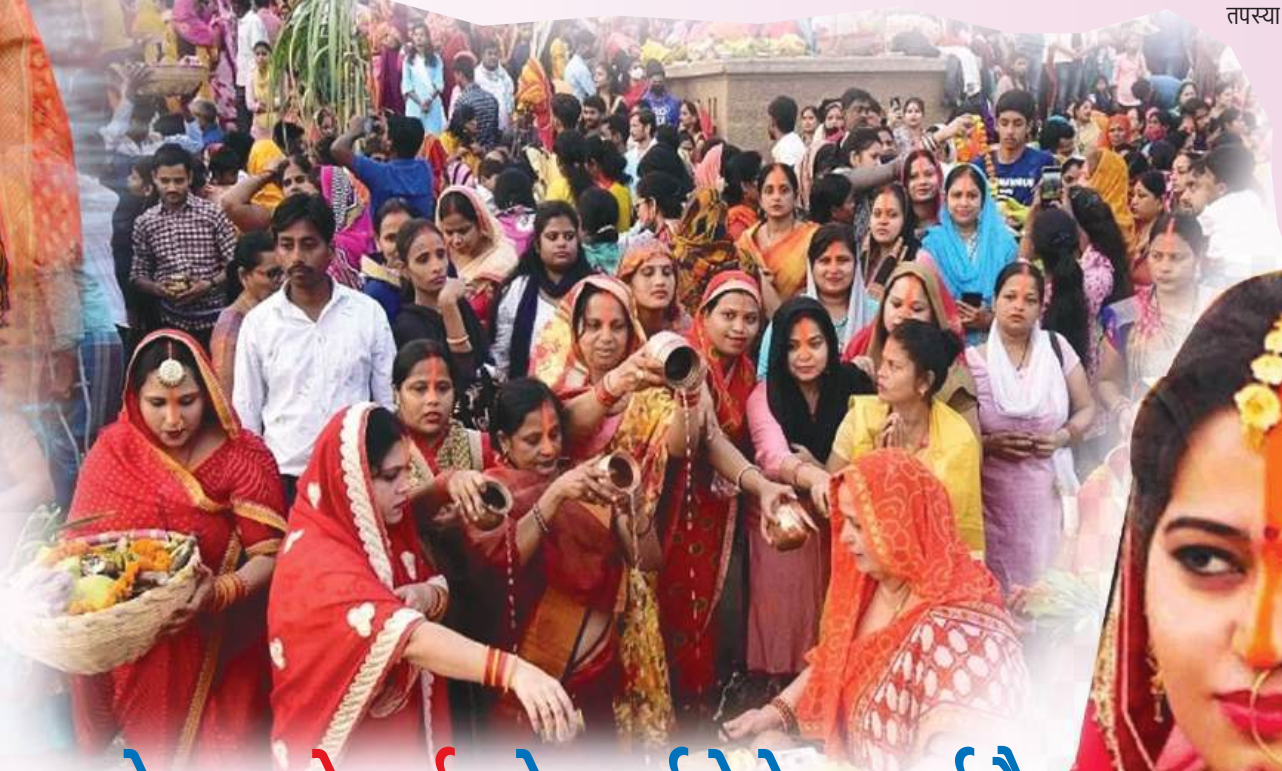

# उगते व डूबते सूर्य को अर्घ्य देने का पर्व है

# छठ पूजा

हिंदू धर्म के तमाम बड़े त्योहारों में छठ पूजा का भी विशेष महत्व है। छठ का पर्व कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर नहाय खाय से शुरू होता है। पंचमी को खरना, षष्ठी को डूबते सूर्य को अर्घ्य और सप्तमी को उगते सूर्य को जल अर्पित कर व्रत संपन्न किया जाता है। चार दिन चलने वाला इस पर्व में सूर्य और छठी मैय्या की पूजा की जाती है। इस दिन व्रत रखा जाने वाला व्रत बेहद कठिन माना जाता है, क्योंकि इस व्रत को 36 घंटों तक कठिन नियमों का पालन करते हुए रखा जाता है। यह व्रत संतान की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना के लिए रखा जाता है। छठ पूजा का व्रत रखने वाले लोग 24 घंटे से अधिक समय तक निर्जला उपवास रखते हैं।

## शुभ मुहुर्त

छठ पूजा 2025 की शुरुआत शनिवार, 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ होगा। छठ व्रती रविवार को विधि-विधान से लोहंडा, खरना करेंगे। और दो दिनों का निर्जला उपवास आरंभ करेंगे। इसके बाद सोमवार को भगवान सूर्य को संध्याकालीन अर्घ्य दिया जाएगा। डूबते सूर्य को शाम का अर्घ्य शाम 5:10 बजे से शाम 5:58 बजे तक देना बेहद शुभ होगा। मंगलवार को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य अपर्ण करेंगे। सुबह के अर्घ्य के लिए प्रातः 5:33 बजे से सुबह 6:30 बजे तक शुभ मुहूर्त बताया गया है।

## व्रत के नियम

छठ पर्व पूजा के दौरान व्रत रहे साधक को सूर्य देव को अर्घ्य देने से पहले किसी चीज का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही व्रत करने वाले साधक को इस दौरान जमीन पर सोना चाहिए। इसके साथ ही छठ पूजा से करीब 10 दिन पहले से ही अरवा चावल और सेंधा नमक का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

## हंसना मना है

पति- देखो बाहर बारिश हो रही है। पत्नी- कुछ सोचना भी मत। घर में बेसन नहीं है, प्याज वैसे भी बहुत महंगे हैं और आज बाई भी नहीं आई है, सारे बर्तन जूठे पड़े हैं। हां, अब ये मत कह देना कि चलो एक गिलास और आइस दे दो, बच्चे अब बड़े हो गए हैं, ये सब अब घर में बिल्कुल नहीं चलेगा। पति झल्लाकर बोला- अब क्या मैं ये भी नहीं कह सकता हूं कि बाहर बारिश हो रही है।

भिखारी- बाबूजी आप मुझे 150 रुपये देकर मेरी मदद कीजिए। मैं अपने परिवार से बिछुड़ गया हूं। मोनू- पहले बताओ तुम्हारा परिवार कहां है? भिखारी- मल्टीप्लेक्स में फिल्म देख रहा है।

संता- यार मेरे बोर्ड के एग्जाम शुरू होने वाले हैं, बंता- अबे तो डरता क्यों है? संता- सब बोलते हैं दसवीं का एग्जाम ही सबसे इम्पोर्टेन्ट हैं, बंता- अबे ज्यादा टेंशन मत ले, 10वीं की मार्कशीट तो बस जन्मतिथि देखने के काम ही आती है।

हसबैंड- आज ऐसी चाय बनाओ कि पीते ही तन बदन झूमने लगे और मन नाचने लगे। पत्नी- हमारे यहां भैंस का दूध आता है नागिन का नहीं।

## कहानी | हाथी और बकरी

एक जंगल में एक हाथी और एक बकरी रहते थे। दोनों बहुत पक्के दोस्त थे। दोनों साथ में मिलकर हर दिन खाने की तलाश करते और साथ में ही खाते थे। एक दिन दोनों खाने की तलाश में अपने जंगल से बहुत दूर निकल गए। वहां उन्हें एक तालाब दिखाई दिया। उसी तालाब के किनारे एक बेर का पेड़ था। बेर का पेड़ देखकर हाथी और बकरी बहुत खुश हुए। वह दोनों बेर के पेड़ के पास गए, फिर हाथी ने अपनी सूंड से बेर के पेड़ को जोर से हिलाया और जमीन पर ढेर सारे पके हुए बेर गिरने लगे। बकरी जल्दी-जल्दी गिरे हुए बेरों को इक्ट्ठा करने लगी। संयोगवश उसी बेर के पेड़ पर एक चिड़िया का घोंसला भी था, जिसमें चिड़िया का एक बच्चा सो रहा था और चिड़िया दाने की खोज में कहीं गई हुई थी। बेर का पेड़ जोर से हिलाने के कारण चिड़िया का बच्चा घोंसले से बाहर तालाब में गिर पड़ा और डूबने लगा। चिड़िया के बच्चे को डूबता हुआ देखकर उसे बचाने के लिए बकरी तालाब में कूद गई, लेकिन बकरी को तैरना नहीं आता था। इस वजह से वह भी तालाब में डूबने लगी। बकरी को डूबता हुआ देखकर हाथी भी तालाब में कूद गया और उसने चिड़िया के बच्चे और बकरी, दोनों को डूबने से बचा लिया। इतने में चिड़िया भी वहां पर आ गई थी और वह अपने बच्चे को सही-सलामत देखकर बहुत खुश हुई। उसने हाथी और बकरी को इसी तालाब और बेर के पेड़ के पास रहने के लिए कहा। तब से हाथी और बकरी भी चिड़िया के साथ उस बेर के पेड़ के नीचे रहने लगे। कुछ ही दिनों में चिड़िया का बच्चा बड़ा हो गया। चिड़िया अपने बच्चे के साथ जंगल में घूम कर आती थी और हाथी और बकरी को जंगल में किस पेड़ पर फल लगे हैं, इसकी जानकारी देती थी। इस तरह हाथी, बकरी, और चिड़िया मजे में रहते और खाते-पीते थे।

## 7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा।

**वृषभ**

प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलेगी। तनाव रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है।

**मिथुन**

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

**कर्क**

शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

**सिंह**

आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें।

**कन्या**

घर-बाहर सहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों समय पर संपन्न होंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

**तुला**

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

**वृश्चिक**

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

**धनु**

कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तनाव रहेगा।

**मकर**

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

**कुम्भ**

व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। जल्दबाजी न करें। कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है।

**मीन**

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

# चौथे दिन ही 'थामा' की कमाई में आई भारी गिरावट

## शुक्रवार को सिर्फ 2.92 करोड़ रुपए का ही हुआ कलेक्शन

मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म 'थामा' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। दिवाली के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब जानिए चौथे दिन कैसी रही 'थामा' की कमाई?

'थामा' के चौथे दिन की कमाई में भारी गिरावट देखने को मिली है। खबर लिखे जाने तक 'थामा' ने चौथे दिन यानी शुक्रवार को सिर्फ 2.92 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर पाया है। ये कलेक्शन उसके शुरुआती तीन दिनों के कलेक्शन से काफी कम है। इससे पहले गुरुवार को फिल्म ने 13 करोड़ रुपए की कमाई की थी। इसके साथ ही चार दिनों में फिल्म की कुल कमाई 58.52 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

दिवाली के मौके पर रिलीज हुई 'थामा' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी। फिल्म ने पहले दिन 24 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। हालांकि, इसके बाद लगातार फिल्म की कमाई गिरती जा रही है। दूसरे दिन

बुधवार को फिल्म ने 18.60 करोड़ और तीसरे दिन गुरुवार को 13 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इस तरह से तीन दिन में ही 'थामा' ने 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था। लेकिन अब चौथे दिन फिल्म की कमाई में अचानक बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। दिवाली के त्योहार और छुट्टियों के चलते 'थामा' को मंगलवार को ही रिलीज किया गया था। फिल्म को पहले दिन तो इसका फायदा मिला, लेकिन बाद में फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया ही मिली। 'थामा' को बॉक्स ऑफिस पर हर्षवर्धन राणे की रोमांटिक फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' से टक्कर मिल रही है। अब मेकर्स वीकेंड पर फिल्म की कमाई में बढ़ोत्तरी की उम्मीद कर रहे हैं। देखना ये है कि क्या वीकेंड पर 'थामा' की कमाई में उछाल आती है या नहीं?

आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना स्टारर 'थामा' मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। फिल्म में बैताल की कहानी दिखाई गई है, जिसमें हॉरर के साथ-साथ कॉमेडी का भी तड़का देखने को मिलता है। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी, परेशव रावल और फैसल मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। इसके अलावा फिल्म में यूनिवर्स का हिस्सा रहने वाले कलाकारों के कैमियो भी हैं।

# दृश्यम 3 करने से परेश रावल का इनकार, बोले किरदार सही नहीं मिला

परेश रावल ने अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 3 साइन कर ली है। लेकिन बात कुछ और ही है। फिल्म की शूटिंग बस शुरू ही होने वाली है। फिल्म के मलयाली वर्जन के प्रोड्यूसर जीतू जोसेफ से दृश्यम 3 को बनाने को लेकर परमिशन आनी बाकी है।

फिल्म की कास्टिंग हो रही है। कहा जा रहा था कि परेश रावल फिल्म में एक अहम किरदार अदा करते दिखेंगे। लेकिन परेश ने इस फिल्म का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में परेश ने सच्चाई बताई है। परेश ने कहा कि वो फिल्म का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें स्क्रिप्ट में मजा तो आया लेकिन किरदार सही नहीं लगा।

बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में परेश रावल ने कहा कि उन्होंने दृश्यम 3 साइन नहीं की है। जो किरदार उन्हें ऑफर हो रहा था वो उन्हें दिलचस्प नहीं लगा। परेश ने कहा- मैंने फिल्म को साइन नहीं किया है। जितनी भी रिपोर्ट्स आपके पास आ रही हैं उनमें कोई सच्चाई नहीं है। हां, मेकर्स ने मुझे अप्रोच किया था, पर मुझे लगा कि ये रोल मुझे सूट नहीं करता है। मजा नहीं आया। पर सच कहूं तो स्क्रिप्ट काफी अच्छी है।

मैं काफी इम्प्रेस हुआ था। स्क्रिप्ट जितनी भी अच्छी हो जब तक आपका रोल उसमें अच्छा नहीं तो कोई फायदा नहीं।

मालूम हो कि मोहनलाल स्टारर दृश्यम 3 की शूटिंग बीते महीने ही शुरू हुई है। रिपोर्ट्स की मानें तो हिंदी और मलयालम वर्जन की शूटिंग भी किसी भी समय शुरू हो सकती है। मलयालम वर्जन के मेकर्स का प्लान है कि वो आने वाले साल 2026 के शुरुआथ में ही फिल्म को रिलीज कर देंगे। पर इससे पहले हिंदी वर्जन रिलीज होगा। पर जीतू जोसेफ ने हिंदी टीम को चेतावनी दी है कि वो ऐसा न करें, वरना उनके खिलाफ वो सख्त एक्शन ले सकते हैं।

दृश्यम 3 का टीजर 2 अक्टूबर 2025 को रिलीज होना शिड्यूल था, लेकिन नहीं हुआ। कहा जा रहा है कि जीतू जोसेफ और मलयालम वर्जन के प्रोड्यूसर्स आशीर्वाद सिनेमाज की परमीशन न मिलने के चलते फिल्म से जुड़ा कोई भी कॉन्टेंट रिलीज नहीं किया जाएगा। अजय देवगन कीदृश्यम 3 की जल्द शूटिंग शुरू होगी, ऐसा कहा जा रहा है। इस फिल्म में तबू, रजत कपूर, श्रेया सरन, इशिता दत्ता और बाकी के किरदार पहले की ही तरह होंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

# मां के कहने पर मैंने करवाया था बफेलो सर्जरी : जाह्नवी कपूर

खुशी कपूर खुलेआम कह चुकी हैं कि उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी और अब उनकी बड़ी बहन जाह्नवी कपूर ने भी एक्सेप्ट किया है कि वह प्लास्टिक सर्जरी करवा चुकी हैं। उन्होंने इसकी ट्रोलिंग पर भी बात की है। हाल ही में, जाह्नवी कपूर फिल्ममेकर करण जौहर के साथ काजोल और ट्विंकल खन्ना के चैट शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल में आईं जहां दोनों ने मिलकर कई दिलचस्प बातें बताइ। इस दौरान जाह्नवी ने प्लास्टिक सर्जरी को लेकर मिली ट्रोलिंग के बारे में बात की। जाह्नवी कपूर ने रिवील किया कि उन्होंने अपनी मां श्रीदेवी की गाइडेंस के साथ प्लास्टिक सर्जरी करवाई थी। शो में उन्होंने बताया था कि लोग अपनी अपीयरेंस के लिए कैसे जज होते थे। जाह्नवी ने आगे कहा, मैं छोटी लड़कियों में परफेक्शन का यह आइडिया बनाए रखना नहीं चाहती। मैं इस बात पर बहुत यकीन करती हूं कि 'आप वही करें जो आपको खुशी दे। मैं चीजों के बारे में पूरी तरह से खुली किताब बनने में बहुत खुश रहूंगी। जाह्नवी कपूर ने बताया कि सर्जरी करवाने के लिए उन्हें उनकी मां का गाइडेंस मिला जिसकी वजह से सर्जरी सफल हो पाई। एक्ट्रेस बोलीं, मुझे लगता है कि मैंने जो कुछ भी किया है, उसमें मैं बहुत समझदार, सावधान और सही रही हूं। बेशक मुझे अपनी मां का गाइडेंस मिला और मैं उसे शेयर करना चाहूंगी। साथ ही एक चेतावनी के तौर पर भी, क्योंकि अगर कोई यंग लड़की ऐसा वीडियो देखती है और तय करती है कि मुझे भी यह बफेलो-प्लास्टी करानी है और कुछ गलत हो जाता है तो यह सबसे बुरी बात होगी। मुझे लगता है कि ट्रांसपेरेंसी जरूरी है। जाह्नवी कपूर को सोशल मीडिया पर प्लास्टिक सर्जरी कराने के लिए ट्रोल भी किया जाता है। इस बारे में उन्होंने कहा, लोग बहुत कुछ कहते हैं। मुझे लगता है कि उनका इरादा आपको नीचा दिखाना होता है, आरोप लगाना होता है- अच्छा, इसने तो प्लास्टिक सर्जरी करवाई है।

# गजब! फेफड़े ही नहीं, शरीर के इस अंग से भी सांस ले सकता है इंसान

हम नाक या मुंह से सांस खींचते हैं जो फेफड़ों में भरती है और फिर कार्बन डायऑक्साइन को बाहर निकालते हैं। अंदर जाने वाली हवा में से ऑक्सजीन को पूरे शरीर में सप्लाई किया जाता है, जिसके जरिए हम जीवित रहते हैं। पर क्या फेफड़ों के अलावा भी इंसान शरीर के किसी अंग से सांस ले सकता है? हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक अजीबोगरीब खोज की है, जिसके जरिए उन्होंने पाया है कि इंसान फेफड़ों की जगह शरीर के एक खास अंग से भी सांस ले सकता है। पर इस अंग के बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। अगर कोई व्यक्ति फेफड़ों से सांस नहीं ले पा रहा हो, तो क्या शरीर के किसी और हिस्से से ऑक्सीजन ली जा सकती है? जापान और अमेरिका के वैज्ञानिकों ने इस असंभव लगने वाले सवाल का जवाब खोज निकाला है। हाल ही में किए गए एक मानव परीक्षण के नतीजे बताते हैं कि मनुष्य के शरीर में एनल ब्रीदिंग या बट ब्रीदिंग यानी मलद्वार के रास्ते ऑक्सीजन पहुंचाने की तकनीक सुरक्षित और संभव है। यह प्रयोग सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन यह विचार प्रकृति से प्रेरित है। शोधकर्ताओं ने बताया कि कुछ मछलियां जैसे लोच तब इस तरीके से सांस लेती हैं जब पानी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। वे सतह पर आकर हवा निगलती हैं और वह हवा उनके पाचन तंत्र से होकर गुजरती है। इस दौरान ऑक्सीजन उनके रक्तप्रवाह में पहुंच जाती है और बाकी हवा मलद्वार से बाहर निकल जाती है। यानी इन मछलियों की सांस लेने की क्षमता सिर्फ गलफड़ों तक सीमित नहीं होती। इसी तरह कुछ कछुए, समुद्री खीरे, ड्रैगनफ्लाई निंफ्स और यहां तक कि सूअर भी तब अपने शरीर के निचले हिस्से से ऑक्सीजन अवशोषित कर सकते हैं, जब फेफड़े ठीक से काम नहीं कर रहे होते। इन्हीं जीवों से प्रेरणा लेकर वैज्ञानिकों ने मनुष्यों पर एंट्रल वेंटिलेशन नामक तकनीक पर काम शुरू किया। इस तकनीक में ऑक्सीजन से भरी एक विशेष द्रव सामग्री को एनिमा की तरह रेक्टम में डाला जाता है। यह ऑक्सीजन फिर आंतों की दीवारों से होकर खून में मिल जाती है- यानी सांस फेफड़ों की बजाय पेट के निचले हिस्से से ली जाती है।

अजब-गजब | एक स्टडी में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

# इन देशों में भाई-बहन कर लेते हैं शादी

शादी-विवाह के मामले में दुनियाभर के अलग-अलग हिस्सों में अपनी-अपनी परंपराएं और मान्यताएं हैं। कहीं पर एक से ज्यादा सगे भाई किसी एक ही महिला से शादी कर लेते हैं, तो कहीं पर दुल्हन की विदाई ही नहीं की जाती है। कई धर्मों में तो चचेरे भाई-बहनों की आपस में ही शादी करवा दी जाती है। हाल ही में इसी से जुड़ी एक स्टडी सामने आई, जिससे पता चला कि चचेरे भाई-बहनों की शादी के मामले में कई देश काफी आगे हैं। ऐसा ही एक देश मलेशिया है, जहां पर हर 100 में से 6 शादियां ऐसी होती हैं जहां पति-पत्नी आपस में चचेरे भाई-बहन या करीबी रिश्तेदार होते हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की ताजा स्टडी में, जिसने दुनिया भर में खून के रिश्तेदारों के बीच होने वाली शादियों के आंकड़े पेश किए हैं।

स्टडी के मुताबिक मलेशिया में 6 प्रतिशत शादियां कंसैंग्वीनियस (खून के रिश्तेदारों के बीच) होती हैं। इसके चलते मलेशिया 72 देशों की लिस्ट में 31वें स्थान पर है। पड़ोसी देश कंबोडिया में भी ऐसी शादियों का आंकड़ा 6 प्रतिशत ही है। हालांकि, सुनकर आपको हैरानी होगी, लेकिन इस मामले में सबसे आगे पाकिस्तान है, जहां 61.2 प्रतिशत शादियां करीबी रिश्तेदारों के बीच होती हैं। आसान भाषा में आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान में होने वाली 100

में से 61 से ज्यादा निकाह भाई-बहनों के बीच या करीबी रिश्तेदारों के साथ होता है। पाकिस्तान के बाद कुवैत (54.3 प्रतिशत), कतर (54 प्रतिशत), यूनाइटेड अरब अमीरात (50.5 प्रतिशत) और सूडान (50प्रतिशत) का नंबर आता है। स्टडी में बताया गया है कि अमेरिका और आधुनिक यूरोप में ऐसी शादियां दुर्लभ हैं, जबकि उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व में यह परंपरा काफी आम है।

बता दें कि कई अरब और मुस्लिम संस्कृतियों में रिश्तेदारों के बीच शादी को परंपरागत और सम्मानजनक माना जाता है। वहीं दक्षिण पूर्व एशिया में ज्यादातर देशों में चचेरे भाई-बहन के बीच शादी की इजाजत है, जिनमें कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, म्यांमार, सिंगापुर, थाईलैंड और मलेशिया शामिल हैं। यहां पर सिर्फ सगे भाई-बहनों के बीच ही शादी नहीं की जा सकती, लेकिन चचेरे-ममेरे भाई के साथ निकाह का कलमा पढ़ा जा सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक करीबी रिश्तेदारों के बीच शादी से आनुवंशिक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। मेडिकल साइंस की मानें तो ऐसे रिश्तों से पैदा हुए बच्चों में जेनेटिक डिसऑर्डर का रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। यह स्टडी समाज में बदलते रिश्तों के स्वरूप और पारंपरिक मान्यताओं के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने में मददगार साबित होगी।

# 65 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को 9वीं अनुसूची में कब डालेंगे पीएम : जयराम

## » कांग्रेस ने बिहार दौरे को लेकर बीजेपी पर दागे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बिहार दौरे पर रहे पीएम मोदी पर तीखा हमला किया है। पार्टी पे कहा कि प्रधानमंत्री को यह बताना चाहिए कि पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को संविधान की नौवीं अनुसूची में क्यों नहीं डाला गया। प्रधानमंत्री मोदी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत समस्तीपुर जिले में भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की जन्मस्थली कर्पूरी ग्राम से किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज कर्पूरी ठाकुर जी के गांव जा रहे हैं।

उनके लिए तीन सीधे सवाल हैं। उन्होंने कहा, कर्पूरी ठाकुर जी ने 1978 में पिछड़ों को 26 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक नींव रखी थी। पार्टी महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी से तीन सवाल पूछे हैं।

## जनसंघ-आरएसएस ने कर्पूरी ठाकुर की सरकार गिराई

बाद में उन्होंने एक इंटरव्यू में भी इसी तरह के प्रश्न किए हैं। इसमें जयराम रमेश ने दावा किया है कि बीजेपी की पूर्ववर्ती पार्टी जनसंघ और आरएसएस ने बिहार में कर्पूरी ठाकुर की सरकार गिराई थी। दरअसल, पीएम मोदी ने बिहार में चुनाव प्रचार का आगाज उन्हीं की जन्मस्थली समस्तीपुर जिले के कर्पूरी ग्राम से की है। पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने ही इस समाजवादी नेता को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न पुरस्कार से नवाजा था।

जयराम रमेश ने दूसरा सवाल ये किया है कि जाति जनगणना की कांग्रेस की मांग को कथित रूप से अर्बन नक्सल एजेंडा कहकर क्या आपने दलितों, पिछड़ों, अति-पिछड़ों और आदिवासियों के अधिकारों का अपमान नहीं किया?

दलितों व पिछड़ों का किया अपमान

### क्या पीएम जनसंघ आरएसएस की ओर से माफी मांगेंगे

अपने एक्स पोस्ट पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने लिखा है, कर्पूरी ठाकुर जी ने 1978 में पिछड़ों को 26 प्रतिशत आरक्षण देकर सामाजिक न्याय की ऐतिहासिक नींव रखी थी...क्या यह सही नहीं है कि आपकी पार्टी के वैचारिक पूर्वज -जनसंघ और आरएसएस ने उनकी आरक्षण नीति का खुलकर विरोध किया था? उन्होंने आगे लिखा, क्या उस समय जनसंघ, आरएसएस ने सड़कों पर कर्पूरी ठाकुर जी के खिलाफ अपमानजनक और घृणा से भरे नारे नहीं लगाए गए थे? क्या उस दौर में जनसंघ, आरएसएस के प्रमुख नेताओं ने कर्पूरी ठाकुर सरकार को अस्थिर करने और गिराने में अहम भूमिका नहीं निभाई थी? उन्होंने कथित रूप कर्पूरी सरकार गिराने के आरोपों के साथ यह भी पूछा है कि क्या प्रधानमंत्री आज उस ऐतिहासिक गलती के लिए अपने वैचारिक पूर्वजों, जनसंघ और आरएसएस की ओर से माफी मांगेंगे? इससे पहले भी कांग्रेस ने कई मुद्दों को लेकर भाजपा को घेरा। कांग्रेस नेताओं ने एसआइआर को लेकर निर्वाचन आयोग के काम करने के तरीके को गलत बताया। उधर राजद ने भी कांग्रेस के साथ देते हुए कि आयोग बीजेपी के इशारे पर काम कर रहा है। विपक्ष घुसपैठियों के उपर बीजेपी के बयान को भी अनुचित बताया। राजद नेताओं ने कहा जब केंद्र में भाजपा सरकार है तो घुसपैठिये कैसे आ रहे है।

# तेजस्वी सूर्या बताएं बेंगलुरु के लिए क्या किया : डीके शिवकुमार

## » भाजपा नेता पर भड़के कर्नाटक के डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु । कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी के आरोपों पर जवाब देते हुए डीके शिवकुमार ने उनसे बेंगलुरु के लिए अपना योगदान दिखाने को कहा है. बीजेपी सांसद ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर पिछले 2 वर्षों में राज्य के विकास की उपेक्षा करने के आरोप लगाए हैं। डीके शिवकुमार ने कहा कि इन सांसद को कर्नाटक के लिए कितना धन मिला है? बेंगलुरु के विकास के लिए धन मांगने के लिए उन्होंने कितनी बार प्रधानमंत्री से मुलाकात की है? उन्होंने आगे कहा कि मैं विशेष अनुदान के बारे में पूछ रहा हूं. बेंगलुरु के लोगों ने उन्हें वोट दिया है। उन्हें बेंगलुरु के लिए अपना योगदान दिखाना चाहिए।

बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या ने बेंगलुरु की सड़कों पर गड्ढों को लेकर कर्नाटक कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से सड़कों की स्थिति सुधारने को प्राथमिकता देने की अपील की थी। डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने आंध्र प्रदेश सरकार से कुरनूल बस अग्नि त्रासदी की उच्च स्तरीय जांच करने को कहा है।कुरनूल बस हादसा दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। हाल ही में एक ग्रीन लाइन बस से जुड़ी ऐसी ही एक और घटना हुई थी। हमारे रायचूर कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा ड्राइवर को सूचित करने के बाद बस में सवार 20 मेडिकल छात्र सुरक्षित बचे आंध्र प्रदेश पुलिस ने तब कोई कार्रवाई नहीं की थी. हम गृह मंत्री और परिवहन मंत्री से कर्नाटक में भी आवश्यक सावधानी बरतने के लिए कह रहे हैं। इस मामले में लापरवाही साफ़ दिखाई दे रही है, इसलिए इसकी जांच जरूरी है। यह कोई छोटी-मोटी घटना नहीं है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

# बिहार के विकास की बात नहीं करते पीएम : मीसा भारती

## » राजद नेत्री बोलीं- सिर्फ परिवार पर आरोपों की राजनीति करते हैं मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मीसा भारती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह सरकारी खर्च पर चुनावी रैलियों के लिए बिहार आते हैं, लेकिन राज्य के विकास के बारे में कभी कुछ नहीं बोलते। दानापुर में पत्रकारों से बात करते हुए, भारती ने प्रधानमंत्री पर बिहार के विकास से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय केवल उनके परिवार पर निशाना साधने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। राजद नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकारी खर्च पर चुनावी रैलियों के लिए बिहार आते हैं। क्या आपने उन्हें कभी बिहार के बारे में बोलते सुना है? वह केवल हमारे परिवार और मेरे पिता पर आरोप लगाते हैं। उनके पास बिहार के लिए कोई विजन नहीं है।

भारती ने बिहार में तथाकथित डबल इंजन सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले दो दशकों में राज्य में कोई बड़ा उद्योग स्थापित नहीं हुआ है।उन्होंने पूछा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। क्या पिछले 20 सालों में यहां एक भी कारखाना लगा है? क्या उन्होंने कभी युवाओं को लाभ पहुँचाने के बारे में सोचा है? बेरोज़गारी और पलायन कैसे रुकेगा? बिहार से दूसरे राज्यों में मज़दूरों के बड़े पैमाने पर पलायन के मुद्दे पर प्रकाश डालते हुए, भारती ने गुजरात के लिए विशेष ट्रेनें चलाने संबंधी प्रधानमंत्री की टिप्पणी की आलोचना की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी और उनके अन्य मंत्री हमेशा कहते हैं कि बिहार के लोगों के गुजरात जाने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। अगर प्रधानमंत्री मोदी सचमुच बिहार के बारे में सोचते, तो वे गुजरात में कहते कि बिहार में आपके काम करने के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

# भाजपा को 4 अतिरिक्त वोट कहां से मिले : उमर

## » रास की एक सीट बीजेपी के खाते में जाने पर नेकां ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में हुए राज्यसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीन उम्मीदवार और बीजेपी का एक प्रत्याशी विजयी हुई है। इसे लेकर उमर अब्दुल्ला बिफरे हुए हैं। दरअसल, बीजेपी के नेता सत शर्मा ने एनसी के इमरान नबी डार को हराया, उन्हें कुल 32 वोट मिले। बीजेपी के पास 28 विधायक हैं, तो उमर ने इसी पर सवाल उठाया कि उनके पास 4 और वोट कहां से आए। उमर ने एक्स पर लिखा कि जेके एनसी के सभी वोट चारों चुनावों में बरकरार रहे जैसा कि हमारे चुनाव एजेंट ने हर मतदान पर्ची देखी।

हमारे किसी भी विधायक ने क्रॉस वोटिंग नहीं की इसलिए सवाल उठता है कि भाजपा को 4 अतिरिक्त वोट कहां से मिले? वे कौन विधायक थे, जिन्होंने वोट देते समय

गलत वरीयता संख्या डालकर जानबूझकर अपने वोट अमान्य कर दिए? क्या उनमें इतनी हिम्मत है कि वे हमें वोट देने का वादा करने के बाद भाजपा की मदद करने की बात स्वीकार करें? किस दबाव या प्रलोभन ने उन्हें यह चुनाव करने में मदद की? देखते हैं कि भाजपा की गुप्त टीम में से कोई अपनी आत्मा बेचने की बात स्वीकार करता है या नहीं! बता दें कि इसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के चौधरी मोहम्मद विजयी रहे। 75 साल के रमजान चार बार विधायक रहे चुके हैं और पूर्व मंत्री बी हैं। वे पहली बार 1983 में कुपवाड़ा के हंदवाड़ा से विधानसभा चुनाव जीते थे। उन्होंने 1987 और 1996 के विधानसभा चुनावों में भी ये सीट बरकरार रखी. 2002 में चुनाव हारे और फिर वह 2008 में विधानसभा जीत कर लौटे। लेकिन 2014 और 2024 में वह सज्जाद गनी लोन से हार गए।

### सज्जाद अहमद किचलू भी जीते

60 साल के सज्जाद जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक बड़े राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता बशीर अहमद किचलू पार्टी के बड़े नेता थे और उन्होंने फारूक अब्दुल्ला सरकार में अहम पद संभाले थे। बशीर अहमद किचलू की 2001 में मौत हो गई थी। वह सामाजिक कल्याण मंत्री थे। ऐसे में सज्जाद ने चुनावी राजनीति में कदम रखा और 2002 के चुनाव में किश्तवाड़ सीट जीत ली। उन्होंने 2008 के चुनाव में भी ये सीट बरकरार रखी, हालांकि सज्जाद अहमद किचलू 2014 और 2024 के विधानसभा चुनावों में हार गए। वह 2015 में जम्मू-कश्मीर विधानपरिषद के लिए निर्वाचित हुए।

# महिला विश्वकप : एक जीत को तरसा पाकिस्तान

## » बुरी तरह मुंह की खाकर खत्म हुआ अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। महिला विश्वकप 2025 में पाकिस्तान का सफर एक भी जीत हासिल किए बगैर समाप्त हो गया। शुक्रवार को कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खेला जाने वाला मुकाबला एक बार फिर बारिश की भेंट चढ़ गया। पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई और टूर्नामेंट में एकमात्र ऐसी टीम बनी जो बिना किसी जीत के वापस लौटी। अंक तालिका में पाकिस्तान फिलहाल सातवें स्थान पर है, जिसके खाते में केवल तीन अंक हैं और नेट रन रेट -0.58 है। ये सभी अंक उन्हें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और श्रीलंका के खिलाफ बारिश से रद्द हुए मैचों से मिले।

अगर 26 अक्तूबर यानी रविवार को नवी मुंबई में होने वाले मैच में बांग्लादेश भारत को हरा देता है, तो पाकिस्तान तालिका में सबसे नीचे खिसक जाएगा। हालांकि, इसकी संभावना बहुत कम है। श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अपना अभियान पांच अंकों और -1.035 नेट रन रेट के साथ समाप्त किया, जबकि उन्हें सात मैचों में सिर्फ एक जीत मिली। पाकिस्तान के लिए यह विश्वकप बेहद निराशाजनक रहा, जहां टीम ने कई मौकों पर संघर्ष तो किया लेकिन जीत हासिल नहीं कर सकी। वहीं सेमीफाइनल की चार टीमें तय हो चुकी हैं, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और भारत शामिल हैं। लेकिन अभी इस बारे में संशय जारी है कि कौन सी टीम अंतिम चार में किससे सामना करेगी।

### मंधाना ने पहली बार जीता बेस्ट फील्डर अवॉर्ड

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड की महिला टीमों के बीच हुए विश्व कप मुकाबले में स्मृति मंधाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी फील्डिंग से सबका दिल जीत लिया। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मैच में मंधाना ने न केवल 109 रनों की शानदार पारी खेली, बल्कि फील्ड पर भी तीन अहम कैच पकड़कर भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। भारत ने यह मैच डीएलएस नियम के तहत 53 रनों से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। मंधाना ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, टीम में जबसे मेडल देना शुरू हुआ है, ढाई साल हो गए, पहली बार मिला है।

# बुलेट ट्रेन गुजरात को देते हैं वोट मांगने बिहार आते हैं प्रधानमंत्री : तेजस्वी यादव

## » बिहार में जोर पकड़ रहा है चुनाव प्रचार, मोदी पर बरसे राजद नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर राज्य में चुनाव प्रचार तेज है। दोनो गठबंधनों में एक-दूसरे पर वार-पलटवार जारी है। जहां बीजेपी व जदयू के निशाने पर राजद नेता सीएम पद चेहरे तेजस्वी निशाने पर है। इसी बीच बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष और राघोपुर विधानसभा सीट से राजद उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे पर निशाना साधा है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता बदलाव के मूड में है और बिहार में अपराध चरम पर है। इसके साथ ही राजद नेता ने कहा कि बुलेट ट्रेन गुजरात में देते है वोट मांगने बिहार आते है। प्रधानमंत्री मोदी के बिहार दौरे पर तेजस्वी यादव ने कहा कि कल प्रधानमंत्री यहाँ आए थे।

हम प्रधानमंत्री से पूछना चाहते हैं कि आप पिछले 11 सालों से प्रधानमंत्री हैं, लेकिन आपने बिहार को क्या दिया? आप गुजरात में कारखाने लगाते हैं, लेकिन बिहार में जीत चाहते हैं, ऐसा होने वाला नहीं है। बिहार हर लिहाज से गुजरात से बड़ा है, देश का हर दसवां व्यक्ति बिहार से है, प्रधानमंत्री ने सिर्फ़ बिहार को धोखा देने का काम किया है. उन्होंने गुजरात को जो कुछ भी दिया है, उसका एक प्रतिशत भी बिहार को नहीं दिया. बिहार की जनता हर चीज़ की जवाबदेही मांग रही है और प्रधानमंत्री के पास कोई जवाब नहीं है।

### इस बार महागठबंधन की सरकार बनेगी

तेजस्वी यादव ने कहा कि अमित शाह को अति पिछड़ा से इतना नफरत क्यों हो रहा है, हम लोग अतिपछिड़ा समाज के आदमी को उपमुख्यमंत्री बनाने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि माहौल इस बार महागठबंधन के लिए है और इस बार महागठबंधन की सरकार बनेगी. पीएम ने जो कल बात बोली हर बात नकारात्मक और बिहार को बदनाम करने की बात कही है, पीएम ने बिहार को दिया है क्या। हर चीज पीएम गुजरात को दे रहे हैं, बिहार को पीएम ने ठगा है. पीएम ने केवल बिहार को ठगने का काम किया है।

## ट्रेनों में भयंकर भीड़, सरकार की बातें सफेद झूठ : लालू यादव

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो, लालू प्रसाद यादव ने एनडीए सरकार पर छठ पर्व के अवसर पर रेल सेवाओं को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि 20 सालों की एनडीए सरकार में पलायन का दंश झेल रहे बिहारियों के लिए लोक आस्था के महापर्व छठ पर भी ये लोग रेलगाड़ियां ढंग से नहीं चलवा सकते। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने एक्स पर लिखे पोस्ट में कहा कि एनडीए सरकार ने दावा किया था कि देश की कुल 13,198 ट्रेनों में से 12,000 रेलगाड़ियां छठ पर्व के मौके पर विशेष रूप से बिहार के लिए चलाई जाएंगी. लेकिन यह दावा पूरी तरह सफेद झूठ साबित हुआ. उनका कहना है कि बिहारवासियों को इस छठ पर्व पर भी रेलगाड़ियों में उचित सुविधा नहीं मिल रही और उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में सफर करना पड़ रहा है। पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने आगे

कहा कि बिहार में पिछले 20 वर्षों से एनडीए सरकार की नीतियों के कारण पलायन की समस्या लगातार बढ़ रही है. उनके अनुसार, बिहारवासियों को रोजगार की तलाश में हर साल करीब 4 करोड़ लोग अन्य राज्यों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर हैं। लालू यादव ने यह भी आरोप लगाया कि डबल इंजन सरकार ने बिहार में कोई बड़े उद्योग नहीं लगाए और राज्य की विकास नीतियां बिहार विरोधी रही हैं।

## सरकार छठ पर रेलगाड़ियों की क्यों नहीं कर पा रही सुविधा सुनिश्चित

लालू यादव ने यह सवाल उठाया कि अगर एनडीए सरकार बिहार की मूल समस्याओं को सही से नहीं सुलझा पा रही है, तो वह लोक आस्था और महापर्वों के दौरान भी रेलगाड़ियों की सुविधाओं को क्यों सुनिश्चित नहीं कर पा रही. उनका कहना है कि छठ पर्व जैसी महत्वपूर्ण लोक परंपरा पर भी बिहारवासियों के लिए पर्याप्त रेल सेवाएं उपलब्ध नहीं करवाई जा रही हैं, जो पूरी तरह सरकारी अक्षमता को दर्शाता है।

## अल्पसंख्यक समाज को पाकिस्तान भेजने की बात करते

राजद नेता ने कहा कि अब अति पिछड़ें से बीजेपी वाले नफरत कर रहे है, जब से हमने कहा अति पिछड़ा उपमुख्यमंत्री होगा तब से बीजेपी वाले ट्रोल कर रहे हैं. जिन लोगों से बीजेपी के लोग नफरत करते थे, जिन्हें पाकिस्तान भेजने की बात कर रहे थे आज उनकी चिंता बीजेपी को हो गई है. अमित शाह अल्पसंख्यक समाज को पाकिस्तान भेजने की बात करते थे, आज बीजेपी को इनकी चिंता हो गई है. एक अतिपिछड़ा समाज का बेटा उपमुख्यमंत्री हो रहा है तो बीजेपी को नफरत क्यों हो रहा है.

## खुलेआम पैसे बांटने पर पप्पू यादव को इनकम टैक्स ने थमाया नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पूर्णिया। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव बिहार के वैशाली जिले में बाढ़ पीड़ितों को नकदी बांटते देखे जाने के बाद आयकर विभाग से नोटिस मिला है। यादव का दावा है कि नोटिस में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पैसे बांटना अपराध बताया गया है। विभाग ने निर्दलीय सांसद से राहत कार्यों में इस्तेमाल किए गए धन के स्रोत का खुलासा करने को कहा है।

इस पर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है, यादव ने साजिश का आरोप लगाया है और संकट के दौरान स्थानीय सांसद और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की अनुपस्थिति पर सवाल उठाए हैं। यादव के खिलाफ कार्रवाई में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन का मामला भी शामिल है, क्योंकि उन्होंने राज्य में विधानसभा चुनाव से पहले नकदी बांटी थी। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने शनिवार को आयकर विभाग पर निशाना साधते हुए दावा किया कि उन्हें एक नोटिस मिला है जिसमें बाढ़ पीड़ितों के लिए उनके राहत कार्य को अपराध माना गया है। एक्स पर एक पोस्ट में यादव ने कहा कि मुझे आयकर विभाग का नोटिस मिला है। इसमें बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए पैसे बाँटना अपराध बताया गया है। अगर यह अपराध है, तो मैं हर वंचित पीड़ित की मदद करने का अपराध हमेशा करता रहूँगा। उन्होंने कहा कि वैशाली जिले के नयागांव पूर्वी पंचायत अंतर्गत मनियारी गांव के बाढ़ पीड़ितों जिनका घर-द्वार सब गंगाजी में विलीन हो गया, उनका मदद न करता तो क्या गृह राज्य मंत्री, स्थानीय एमपी जैसे स्वघोषित CM उम्मीदवारों की तरह मूकदर्शक बना रहता?

# महाराष्ट्र में मंत्री के बयान पर मचा सियासी घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में होने वाले स्थानीय और निकाय चुनावों से पहले राज्य के राजस्व मंत्री और बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने एक बयान देकर हलचल मचा दी है। उन्होंने 23 अक्टूबर को भाजपा के एक कार्यक्रम में कहा कि सबके मोबाइल और व्हाट्सऐप पर निगरानी रखी जा रही है।

## » बोले- सबका फोन ट्रैक हो रहा, बाद में दी सफाई

इस बयान के बाद विपक्ष खासकर शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत भड़क गए। उन्होंने कहा कि बावनकुले के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाए। विवाद बढ़ने के बाद बावनकुले ने सफाई दी कि उन्होंने जो कहा था, उसका मतलब गलत समझा गया। उन्होंने बताया कि बीजेपी के एक लाख व्हाट्सऐप ग्रुप पार्टी के वॉर रूम से जुड़े हैं, जहां से कार्यकर्ताओं की गतिविधियों और संवाद पर नजर रखी जाती है, ताकि चुनावी कामकाज बेहतर हो सके। बावनकुले ने कहा, हमारे वर्करों के काम, उनकी टिप्पणियां और प्रतिक्रियाएं पार्टी के वॉर रूम में देखी जाती हैं। इससे यह पता चलता है कि सरकार की योजनाएं कितनी असरदार हैं और लोगों तक कैसे पहुंच रही हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि पार्टी अपने ग्रुपों में आने वाले संदेशों से माहौल समझती है और उसी आधार पर निर्णय लेती है। उन्होंने कहा, अगर कोई नकारात्मक टिप्पणी आती है कि उसे हटाया जाता है और कारात्मक माहौल बनाया जाता है। यह हमारे संगठन के काम का हिस्सा है। राउत कौन होते हैं यह तय करने वाले कि हम पार्टी में क्या करें?

### कांग्रेस में संवाद की कमी : बावनकुले

बावनकुले ने यह भी कहा कि कई कांग्रेस नेता बीजेपी में आने के इच्छुक हैं, क्योंकि उन्हें पार्टी में संवाद की कमी महसूस होती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस में अच्छे पदाधिकारी किनारे कर दिए जाते हैं, जबकि बीजेपी में कोई भी कार्यकर्ता वरिष्ठ नेताओं से सीधे मिल सकता है। यह हमारी ताकत है।

# छठ पर्व से पहले नगर आयुक्त ने लिया घाटों का जायजा

## » व्रतियों की तैयारी पूरी, आज से छठ पूजन का प्रारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने आगामी छठ पर्व के दृष्टिगत शहर के विभिन्न घाटों पर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा और गोमती नदी की स्वच्छता को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।नगर आयुक्त ने कहा कि घाटों की सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने लाइटिंग, लाइफ गार्ड, बोट और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। गोमती नदी में गिरने वाले 23 नालों पर लोहे की जालियां लगाई गई हैं ताकि गंदगी और प्लास्टिक कचरा नदी में न जा सके। शहर के 12 घाटों पर विशेष सफाई दल तैनात किए गए हैं।नगर आयुक्त ने नाव से गोमती नदी की सफाई और घाटों के आसपास की व्यवस्था का भी निरीक्षण करने के निर्देश दिए।इस मौके पर अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, ललित कुमार, आर.आर. चीफ इंजीनियर मनोज प्रभात, और जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह मौजूद रहे। वहीं नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव व एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार भी लक्ष्मण मेला मैदान घाट पहुंचे और तैयारियों का जायज़ा लिया।

# एयर इंडिया की फ्लाइट में मराठी भाषा को लेकर बवाल

## » मुंबई जाना है तो मराठी बोलना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के स्थानीय लोगों द्वारा हाल के महीनों में राज्य के बाहर से आए लोगों को मराठी में बात करने के लिए मजबूर करने की कई घटनाएं सामने आई। इस दौरान जो लोग मराठी नहीं बोल पा रहे थे,उनको धमकाया गया और उनके साथ मारपीट भी की गई। वहीं, अब चौंकाने वाली घटना कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट से सामने आई है।

दरअसल, घटना 23 अक्टूबर की है। जब कोलकाता से मुंबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 676 में सफर कर रही महिला एक युवक से सिर्फ इसलिए बहस करने लगी, क्योंकि उसने मराठी में बात नहीं की। युवक ने विनम्रता से कहा कि उसे मराठी नहीं आती। इस पर महिला भड़क गई और बोली, आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए। इस घटना की वीडियो पीड़ित यात्री माही खान ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। वीडियो शेयर करने वाले पीड़ित यूट्यूबर हैं और वो पिछले 4 सालों से मुंबई रहते हैं। उन्होंने बताया कि वे हमेशा हिंदी या अंग्रेजी में बात करते हैं। हालांकि, कई बार मैंने मराठी सीखने की भी कोशिश की।

# 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने मंत्री का आवास घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने मंत्री संदीप सिंह के आवास का घेराव किया। अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने जमकर नारेबाजी की। मौके पर मौजूद पुलिस ने सभी को फिर से ईको गार्डन भेज दिया।

69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण में भेदभाव को लेकर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी कई महीनों से लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे पहले भी वह मंत्री संदीप सिंह और डिप्टी सीएम केशव मौर्य के आवास का घेराव कर चुके हैं। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों का कहना है कि हाईकोर्ट से हमारे पक्ष में फैसला आया है। अब मामला सुप्रीम कोर्ट में हैं। लेकिन, सरकार सुप्रीम कोर्ट में मजबूती से हमारा पक्ष नहीं रख रही है।

### आत्मदाह की दी चेतावनी

इसी को लेकर धनंजय गुप्ता के नेतृत्व में अभ्यर्थी एक बार फिर मंत्री संदीप सिंह के आवास पहुंचे। वहां नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार सेकंड पार्टी है। वह हम लोगों का पक्ष मजबूती से रखे। अन्यथा हम सब लोग सामूहिक रूप से आत्मदाह करने के लिए मजबूर होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।